किसान उत्पादन संगठनों की समीक्षा बैठक संपन्न

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गोवा और दादरा और नूटी के राज्यों में एफपीओ की प्रगति पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को यहां सीसीएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग के दफ्तर में बैठक आयोजित की गई।

एफपीओ को समान और प्रभावी तरीके से बनाने और बढ़ावा देने के लिए अगले पांच सालों में 10 हजार एफपीओ के गठन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके और एफपीओ को आर्थिक रूप से टिकाऊ एवं मजबूत बनाने के लिए डॉ. अभिलाक्ष लीखी, अतिरिक्त सचिव विपणन कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता आयोजित की गई।

बैठक में एनसीडीसी, एनसीसीटी, एनएएफईडी और आरएसएएमबी के अधिकारी, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के अधिकारी और प्रतिनिधित्व करने वाले राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में निदेशक कृषि विपणन, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की एक संक्षिप्त प्रस्तुति के साथ योजना की मुख्य विशेषताओं पर अर्थात् कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओएस) का गठन और संवर्धन प्रतिभागियों को दिया गया। इसके अलावाए एफपीओ के गठन, जिला निगरानी समितियों, राज्य समितियों और प्रतिनिधि राज्यों की कार्यान्वयन एजेंसियों की भूमिका और कार्यान्वयन एजेंसियों की प्रगति पर राज्यवार चर्चा हुई। सभी प्रतिभागियों और कार्यान्वयन एजेंसियों को अध्यक्ष द्वारा अंतिम मील तक जोड़ने के लिए, योजना के बेहतर तरीके से मजबूत नेटवर्क रखने के लिए विभिन्न सुझाव दिए गए थे। अतिरिक्त सचिव, डॉ अभिलाक्ष लीखी, सीसीएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग तथा विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधिकारियों के साथ प्रगतशील एफपीसी मोखमपुरा कृषक निर्माता कंपनी लिमिटेड तहसील बगरू जयपुर का दौरा किया गया। दौरे के दौरान खेम सिंह एफपीओ के अध्यक्ष, मनीष चौधरी और भंवर सिंह प्रगतिशील किसान ने बताया कि वे दालों, सब्जियों सहित विदेशी सब्जियों का सफलता पूर्वक उत्पादन किया जा रहा है।